No. of Printed Pages : 4

MHI-003

02935

MASTER OF ARTS (HISTORY)

Term-End Examination

December, 2017

MHI-003 : HISTORIOGRAPHY

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *(i) Answer **any five** questions in about **500** words each.*

*(ii) Attempt at least **two** questions from **each section**.*

*(iii) **All** questions carry **equal** marks.*

SECTION - I

1. Discuss the role of generalisation in history - writing. **20**

2. Write a note on the objectives of history writing in the Greek and Roman traditions. **20**

3. Analyse the distinctive features of traditional Chinese historiography. **20**

4. What do you understand by oral history ? How is it different from mainstream historiography ? **20**

5. Discuss the Indo - Persian history - writing during Akbar's reign with special reference to Abul Fazl. **20**

SECTION - II

6. Describe the main characteristics of colonial historiography. Discuss some of the works of the historians associated with this trend. **20**

7. Analyse the different views of Marxist historians on Indian nationalism. **20**

8. Write a note on the trend of history-writing associated with the *Subaltern studies* in India. **20**

9. Discuss the trend of historiography which developed among the Western Marxist historians after Second World War. **20**

10. Write short notes on **any two** of the following in about **250** words each : **10+10**
    (a) Kalhana and *Rajatarangini*
    (b) History from below
    (c) Colonial perception of Caste
    (d) Histories of Environment in India

स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (इतिहास)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2017

एम.एच.आई.-003 : इतिहास-लेखन

समय : 3 घंटे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i)* ***किन्हीं पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए।*

(ii) *प्रत्येक* ***भाग*** *में से कम-से-कम* ***दो*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(iii) ***सभी*** *प्रश्नों के अंक* ***समान*** *हैं।*

भाग - I

1. इतिहास-लेखन में सामान्यीकरण की भूमिका पर चर्चा कीजिए। 20

2. यूनानी और रोमन परम्पराओं में इतिहास-लेखन के उद्देश्य पर एक टिप्पणी लिखिए। 20

3. परम्परागत चीनी इतिहास-लेखन की प्रमुख विशेषताओं का विश्लेषण कीजिए। 20

4. मौखिक इतिहास से आप क्या समझते हैं? यह मुख्य धारा के इतिहास-लेखन से किस तरह भिन्न है? 20

5. अबुल फज़ल के विशेष संदर्भ में अकबर के राज्यकाल में इन्डो-फारसी इतिहास-लेखन की विवेचना कीजिए। 20

भाग - II

6. उपनिवेशवादी इतिहास-लेखन की प्रमुख विशिष्टताओं का वर्णन कीजिए। इस धारा से जुड़े हुए कुछ इतिहासकारों के कार्य पर चर्चा कीजिए। 20

7. भारतीय राष्ट्रवाद पर मार्क्सवादी इतिहासकारों के विभिन्न दृष्टिकोणों का विश्लेषण कीजिए। 20

8. भारत में *सबाल्टर्न अध्ययन* से सम्बन्धित इतिहास-लेखन की धारा पर एक टिप्पणी लिखिए। 20

9. द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद पश्चिमी मार्क्सवादी इतिहासकारों द्वारा विकसित इतिहास-लेखन की धारा की विवेचना कीजिए। 20

10. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए। 10+10

    (a) कल्हण और *राजतरंगिनी*

    (b) जनोन्मुखी इतिहास

    (c) जाति की औपनिवेशिक धारणा

    (d) भारत में पर्यावरण के इतिहास